सं श्रोविष /एफ बीव / 183-86/48531. — वृक्ति हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं (1) अटलांटिक इन्जिनियरिंग सिवस, प्राव लिंव, 19 कि.मि. मथुरा रोड डा॰ असर नगर, फरीदाबाद, (2) श्री एस.सी. मित्तल, आफिसियल लिंक्बडेंटर भारत सिक्योटस एण्ड गाईड बिल्डिंग, 19 रिंग रोड आई.पी., इस्टेंट, नई दिल्ली के श्रीमक श्री रामा शीप पाल मार्फत श्री श्यान सुन्दर गुप्ता, 50 नीलम चीक फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चंिक हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हैतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रिधिनयम की धारा 7क के श्रधीन गठित श्रौद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रीमकों के वीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्रथवा विवाद से स्संगत या सम्वन्धित मामला है ग्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :--

क्या श्री रामा शोष पाल की सेवाय्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो०वि०/एफ०डी०/183-86/48539.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं० (1)ग्रटलांकि इन्जिनियरिंग सिंबस, प्रा० लि०, 19 कि.मि मथुरा रोड़, डा० ग्रमर नगर, फरीदावाद, (2) श्री एस.सी. मितल, ग्राफिसियल लिक्बडेटर भारत सिक्योटस एण्ड गाईड विल्डिंग, 19 रिंग रोड ग्राई.पी. इस्टेट, नई दिल्ली के श्रीमक श्री राम नाथ यादव मार्फत श्री ख्याम सुन्दर गुप्ता 50 नीलम चौंक फरीदावाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीखोगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिण्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, प्रव, श्रीद्योगिक विवाद श्रीद्यितियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हिरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रीधित्यम की धारा 7 के के श्रधीन गठित श्रीद्योगिक श्रीद्यकरण, हिरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादशस्त मामला है श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :--

क्या श्री राम नाथ यादव की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? सं० श्रो० वि०/एफ०डी०/183-86/48547---चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० (1) श्रटलांटिक इन्जिनियरिंग सर्विस प्रा. लि., 19 कि. मि. सथुरा रोड, डा. श्रमर नगर, फरीदाबाद, (2) श्री एस. सी. मित्तल, श्रिफिसयल लिक्बेडेटर भारत सिक्योटस एण्ड गाईड विल्डिंग 19, रिंग रोड, ख्राई. पी. इस्टेंट नई दिल्ली, के श्रीमक श्री मन्ना, लाल मार्फत श्री शयाम सुन्दर गुप्ता, 50 नीलम चौक, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके वाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीदोगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, श्रीद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रधिनियम की घारा 7-क के श्रधीन गठित श्रीद्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद की नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के दीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्रयवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामलाहै न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:——

क्या श्री मन्ना लाल की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकड़ार है ? संव श्रोविव/एफव्डीव/183-86/48555—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैंव (1) ग्रटलांटिक इन्जिनियरिंग सर्विस प्राव लिव, 19, कि मि. मयुरा रोड़, डाव श्रमर नगर, फरीदाबाद, (2) श्री एस.सी. मित्तल, ग्रिप्तियल लिक्बडेटर भारत सिक्योटस एण्ड गाईड बिल्डिंग 18, रिंग रोड़, ग्राई.पी. इस्टेट, नई दिल्जी, के श्रीमक श्री सर्वदेव यादव मार्फत श्री श्रायाम सुन्दर गुप्ता, 50 नीलम चौक फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाट लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बाछनीय समझते हैं;

इसलिए, अव, श्रीद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित श्रीद्योगिक ग्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिदिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला हैं अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला हैं , न्यायनिणंग एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:--

क्या श्री सर्वदेव यादव की सेवाओं का समापन न्यायीचित तथा ठीक है ?यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?